



दूसरा स्थान है, तो यह मानव निर्मित धर्म है।

औरत का सम्मान देना एवं उसकी श्रेणी को उँचा करना अल्लाह का आदेश है, जबकि औरत का अपमान मानव की ओर से है। उदाहरण के लिए, यदि किसी देश में एक मुस्लिम महिला पर अत्याचार किया जाता है, तो हिंदू महिला पर भी अत्याचार होता है, और उसी देश में बौद्ध और ईसाई महिला पर भी अत्याचार होता है। यह (अत्याचार) जातियों की संस्कृति है और इसका अल्लाह के सच्चे धर्म से कोई लेना-देना नहीं है।

अल्लाह का सच्चा धर्म हमेशा प्रकृति के अनुरूप होता है। जैसा कि एक धूम्रपान करने वाला एवं शराब पीने वाला भी हमेशा अपने बच्चे को शराब पीने एवं धूम्रपान करने से मना करता है, क्योंकि उसका गहरा विश्वास है कि स्वस्थ एवं समाज पर इन चीजों के बुरे प्रभाव पड़ते हैं। उदाहरण स्वरूप, जब धर्म मदिरा पान को अवैध करता है, तो वास्तव में यह अल्लाह के आदेशों में से एक आदेश है। परन्तु उदाहरण स्वरूप, यदि दूध हराम होने का आदेश आता, तो हमारी समझ के अनुसार यह कोई तर्कसंगत आदेश नहीं होता, क्योंकि हर किसी को मालूम है कि दूध स्वस्थ के लिए लाभदायक है, इसलिए धर्म ने इसे हराम नहीं किया है। यह अल्लाह की अपनी सृष्टि पर रहमत और नरमी है कि उसने हमें स्वच्छ चीजों को खाने का आदेश दिया एवं बुरी चीजों के खाने से मना किया।

महिला के लिए सर ढांपना एवं मर्दों एवं औरतों के लिए हया एख्तियार करना अल्लाह का आदेश है, परन्तु रंगों एवं डिज़ाइन का विवरण इंसान की तरफ से है। एक नास्तिक ग्रामीण चीनी महिला एवं एक ग्रामीण ईसाई स्विस् स्त्री केवल इस आधार पर सर ढाँपती है यह हया एक फ़ितरी चीज़ है।

उदारण स्वरूप, आतंकवाद सभी धर्मों के लोगों में विभिन्न शक्तों में फैला हुआ है। अफ्रीका और पूरी दुनिया में ईसाई संप्रदाय के कुछ गिरोह धर्म के नाम पर और ईश्वर के नाम पर हत्या करते हैं तथा उत्पीड़न एवं हिंसा के सबसे बुरे रूपों को अपनाते हैं। वे दुनिया की ईसाई आबादी का 4% हैं। जबकि इस्लाम के नाम पर आतंकवाद का रास्ता एख्तियार करने वालों की संख्या मुस्लिम आबादी का 0.01% है। इतना ही नहीं, बौद्ध धर्म, हिंदू धर्म और अन्य धर्मों के मानने वालों में भी आतंकवाद फैला हुआ है।

इस तरह से हम किसी भी पुस्तक को पढ़े बिना भी सत्य एवं असत्य के बीच अंतर कर सकते हैं।

ପ୍ରଥମେ ପିତୃ ଶ୍ରଦ୍ଧା ଓ ପିତୃତା

୦୦୦୦୦୦: ୦୦୦୦୦://୦୦୦.୦୦୦୦୦.୦୦୦/୦୦-୦୦୦୦୦/୦୦/21/

୦୦୦୦୦୦ ୦୦୦୦୦୦: ୦୦୦୦୦://୦୦୦.୦୦୦୦୦.୦୦୦/୦୦-୦୦୦୦୦/୦୦/21/

୦୦୦୦୦୦ 3୦୦ ୦୦ ୦୦୦ 2026 11:27:58 ୦୦